पाठ 8. देशी जनता को सभ्य बनाना और राष्ट्र को शिक्षित करना

मुख्य बिंदु

Q1. बनारस हिन्दू कॉलेज की स्थापना कब और क्यों हुई ?

उत्तर: 1791 में बनारस में हिन्दू कॉलेज की स्थापना की ताकि वहाँ प्राचीन संस्कृत ग्रंथों की शिक्षा दी जा सके | और देश का शासन चलाने में मदद मिले |

Q2. विलियम जोन्स कलकता कब आये ?

उत्तर: 1783 में आये |

Q3. जोन्स और कोल ब्रुक भारत के प्रति क्या रवैया रखते थे ?

उत्तर: जोन्स और कोल ब्रुक भारत के प्रति एक खास रवैया रखते थे, वे भारत और पश्चिमी दोनों की प्राचीन संस्कृतियों के प्रति गहरा आदर भाव रखते थे | उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता प्राचीन काल में अपने वैभव के शिखर पर थी परन्तु बाद में उसका पतन होता चला गया |

Q4. अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम कब लागु किया गया ?

उत्तर: 1835 में |

Q5: एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल की स्थापना किसने की ?

उत्तर: विलियम जोन्स, हेनरी थॉमस कोलब्रुक तथा नेथैनियल होल्हेड ने |

Q6: 19 वीं सदी के शुरुआत में ही बहुत सारे अंग्रेज ऑफिसर शिक्षा के प्राच्यवादी दृष्टिकोण की आलोचना क्यों करने लगे थे ?

उत्तर: उनका कहना था कि पूर्वी समाजों का ज्ञान त्रुटियों से भरा हुआ और अवैज्ञानिक है उनके मुताबिक पूर्वी साहित्य अगंभीर और सतही था | इसलिए उन्होंने दलील दी कि अंग्रेजों को अरबी और संस्कृत भाषा साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा देने पर इतना खर्चा नहीं करना चाहिए |

अभ्यास-प्रश्नोत्तर

Q1. निम्नलिखित के जोड़े बनाएँ:

विलियम जोन्स	अंग्रेजी शिक्षा को प्रोत्साहन
रवीन्द्रनाथ टैगोर	प्राचीन संस्कृतियों का सम्मान
टॉमस मैकाले	गुरु
महात्मा गाँधी	प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा
पाठशालाएँ	अंग्रेजी शिक्षा के विरुद्ध

उत्तर:

विलियम जोन्स	प्राचीन संस्कृतियों का सम्मान
रवीन्द्रनाथ टैगोर	गुरु
टॉमस मैकाले	अंग्रेजी शिक्षा को प्रोत्साहन

महात्मा गाँधी	अंग्रेजी शिक्षा के विरुद्ध
पाठशालाएँ	प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा

Q2. निम्नलिखित में से सही या गलत बताएँ:

(क) जेम्स मिल प्राच्यवादियों के घोर आलोचक थे।
(ख) 1854 के शिक्षा सबंधी डिस्पैच में इस बात पर जोर दिया गया था कि भारत में उच्च शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होना चाहिए।
(ग) महात्मा गाँधी मानते थे कि साक्षरता बढ़ाना ही शिक्षा का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है।
(घ) रवीन्द्रनाथ टैगोर को लगता था कि बच्चों पर सख्त अनुशासन होना चाहिए।

उत्तर:

(क) सही

(ख) सही

(ग)

(घ)

Q3. विलियम जोन्स को भारतीय इतिहास, दर्शन और कानून का अध्ययन क्यों जरुरी दिखाई देता था ?

उत्तर: वे भारत और पश्चिम, दोनों की प्राचीन संस्कृतियों के प्रति गहरा आदर भाव रखते थे। उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता प्राचीन काल में अपने वैभव के शिखर पर थी परंतु बाद में उसका पतन होता चला गया। उनकी राय में, भारत को समझने के लिए प्राचीन काल में लिखे गए यहाँ के पवित्र और क़ानूनी ग्रंथों को खोजना व समझना बहुत जरुरी था। उनका मानना था कि हिंदुओं और मुसलमानों के असली विचारों व कानूनों को इन्हीं रचनाओं के जरिये समझा जा सकता है और इन रचनाओं के पुनः अध्ययन से ही भारत के भावी विकास का आधार पैदा हो सकता है।

Q4. जेम्स मिल और टॉमस मैकाले ऐसा क्यों सोचते थे कि भारत में यूरोपीय शिक्षा अनिवार्य है ?

उत्तर: जेम्स मिल और टॉमस मैकाले का मानना था कि भारत में यूरोपीय शिक्षा अनिवार्य है, उनके अनुसार निम्न कारण थे :

(i) अंग्रेजों को देशी जनता को खुश करने और उसका दिल जीतने के लिए जनता की इच्छा के हिसाब से या उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा नहीं देनी चाहिए |

(ii) उनकी राय में शिक्षा के जरिए उपयोगी और व्यावहारिक चीजों का ज्ञान दिया जाना चाहिए |

(iii) भारतियों को पूर्वी समाज के काव्य और धार्मिक साहित्य की बजाय यूरोपीय शिक्षा में ज्ञान देना चाहिए |

Q5. महात्मा गाँधी बच्चों को हस्तकलाएँ क्यों सिखाना चाहते थे ?

उत्तर: महात्मा गाँधी का मानना था कि पश्चिमी शिक्षा मौखिक ज्ञान की बजाय केवल पढ़ने और लिखने पर केन्द्रित है। उसमें पाठ्यपुस्तकों पर तो जोर दिया जाता है लेकिन जीवन अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा की जाती है। उनकी इस बात के पीछे निम्न तर्क थे |

(i) शिक्षा से व्यक्ति का दिमाग और आत्मा विकसित होनी चाहिए।

(ii) उनकी राय में केवल साक्षरता - यानी पढ़ने और लिखने की क्षमता पा लेना - ही शिक्षा नहीं होती।

(iii) उनका मानना था कि इसके लिए तो लोगों को हाथ से काम करना पड़ता है, हुनर सीखने पड़ते हैं और यह जानना पड़ता है कि विभिन्न चींजे किस तरह काम करती हैं।

(iv) इससे उनका मस्तिष्क और समझने की क्षमता, दोनों विकसित होते हैं।

Q6. महात्मा गाँधी ऐसा क्यों सोंचते थे कि अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों को गुलाम बना दिया है ?

उत्तर: महात्मा गांधी एक ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे जो भारतीयों के भीतर प्रतिष्ठा और स्वाभिमान का भाव पुनर्जीवित करे। राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा संस्थानों को छोड़ दें और अंग्रेजों को बताएँ कि अब वे गुलाम बने रहने के लिए तैयार नहीं हैं।
महात्मा गाँधी की दृढ़ मान्यता थी कि शिक्षा केवल भारतीय भाषाओं में ही दी जानी चाहिए। उनके मुताबिक, अंग्रेजी में दी जा रही शिक्षा भारतीयों को अपाहिज बना देती है, उसने उन्हें अपने सामाजिक परिवेश से काट दिया है और उन्हें अपनी ही भूमि पर "अजनबीय" बना दिया है। उनकी राय में, विदेशी भाषा बोलने वाले, स्थानीय संस्कृति से घृणा करने वाले अंग्रेजी शिक्षित भारतीय अपनी जनता से जुड़ने के तौर-तरीके भूल चुके थे।

महत्वपूर्ण-प्रश्नोत्तर

Q1. बनारस हिन्दू कॉलेज की स्थापना कब और क्यों हुई ?

उत्तर: 1791 में बनारस में हिन्दू कॉलेज की स्थापना की ताकि वहाँ प्राचीन संस्कृत ग्रंथों की शिक्षा दी जा सके | और देश का शासन चलाने में मदद मिले |

Q2. विलियम जोन्स कलकता कब आये ?

उत्तर: 1783 में आये |

Q3. जोन्स और कोल ब्रुक भारत के प्रति क्या रवैया रखते थे ?

उत्तर: जोन्स और कोल ब्रुक भारत के प्रति एक खास रवैया रखते थे, वे भारत और पश्चिमी दोनों की प्राचीन संस्कृतियों के प्रति गहरा आदर भाव रखते थे | उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता प्राचीन काल में अपने वैभव के शिखर पर थी परन्तु बाद में उसका पतन होता चला गया |

Q4. अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम कब लागु किया गया ?

उत्तर: 1835 में |

Q5: एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल की स्थापना किसने की ?

उत्तर: विलियम जोन्स, हेनरी थॉमस कोलब्रुक तथा नेथैनियल होल्हेड ने |

Q6: 19 वीं सदी के शुरुआत में ही बहुत सारे अंग्रेज ऑफिसर शिक्षा के प्राच्यवादी दृष्टिकोण की आलोचना क्यों करने लगे थे ?

उत्तर: उनका कहना था कि पूर्वी समाजों का ज्ञान त्रुटियों से भरा हुआ और अवैज्ञानिक है उनके मुताबिक पूर्वी साहित्य अगंभीर और सतही था | इसलिए उन्होंने दलील दी कि अंग्रेजों को अरबी और संस्कृत भाषा साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा देने पर इतना खर्चा नहीं करना चाहिए |

Q7. शांतिनिकेतन स्थापना किसने और कब की ?

उत्तर: शांतिनिकेतन की स्थापना रविंद्रनाथ टैगोर ने 1901 में की ?

Q8. रविंद्रनाथ टैगोर के शांतिनिकेतन की स्थापना के क्या कारण थे ?

उत्तर: टैगोर का मानना था कि सृजनात्मक शिक्षा को केवल प्राकृतिक परिवेश में ही प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसीलिए उन्होंने कलकत्ता से 100 किलोमीटर दूर एक ग्रामीण परिवेश में अपना स्कूल खोलने का फैसला लिया। उन्हें यह जगह निर्मल शांति से भरी (शांतिनिकेतन) दिखाई दी जहाँ प्रकृति के साथ जीते हुए बच्चे अपनी स्वाभाविक सृजनात्मक मेध को और विकसित कर सकते थे।
टैगोर को ऐसे लगता था मानो स्कूल कोई जेल हो, क्योंकि वहाँ बच्चे मनचाहा कभी नहीं कर पाते थे। कलकत्ता के अपने स्कूल जीवन के अनुभवों ने शिक्षा के बारे में टैगोर के विचारों को काफी प्रभावित किया। यही कारण था कि रविंद्रनाथ टैगोर को शांति निकेतन की स्थापना करनी पड़ी |

Q9. रविंद्रनाथ टैगोर किस प्रकार कि शिक्षा के पक्षधर थे ?

उत्तर: टैगोर और महात्मा गाँधी शिक्षा के बारे में कमोबेश एक जैसी राय रखते थे। परन्तु दोनों में अन्तर था | टैगोर आधुनिक पश्चिमी सभ्यता और भारतीय परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों का सम्मिश्रण चाहते थे। उन्होंने शांतिनिकेतन में कला, संगीत और नृत्य के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा पर भी शोर दिया।

Q10. टैगोर और महत्मा गाँधी के शिक्षा के बारे के क्या राय थे ?

उत्तर: बहुत सारे मामलों में टैगोर और महात्मा गाँधी शिक्षा के बारे में कमोबेश एक जैसी राय रखते थे। लेकिन दोनों के बीच फर्क भी थे। गाँधी जी पश्चिमी सभ्यता और मशीनों व प्रौद्योगिकी की उपासना के कट्टर आलोचक थे। वे स्वदेशी के पक्षधर थे जबकि टैगोर आधुनिक पश्चिमी सभ्यता और भारतीय परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों का सम्मिश्रण चाहते थे।

महत्वपूर्ण-प्रश्नोत्तर

Q1. बनारस हिन्दू कॉलेज की स्थापना कब और क्यों हुई ?

उत्तर: 1791 में बनारस में हिन्दू कॉलेज की स्थापना की ताकि वहाँ प्राचीन संस्कृत ग्रंथों की शिक्षा दी जा सके | और देश का शासन चलाने में मदद मिले |

Q2. विलियम जोन्स कलकता कब आये ?

उत्तर: 1783 में आये |

Q3. जोन्स और कोल ब्रुक भारत के प्रति क्या रवैया रखते थे ?

उत्तर: जोन्स और कोल ब्रुक भारत के प्रति एक खास रवैया रखते थे, वे भारत और पश्चिमी दोनों की प्राचीन संस्कृतियों के प्रति गहरा आदर भाव रखते थे | उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता प्राचीन काल में अपने वैभव के शिखर पर थी परन्तु बाद में उसका पतन होता चला गया |

Q4. अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम कब लागु किया गया ?

उत्तर: 1835 में |

Q5: एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल की स्थापना किसने की ?

उत्तर: विलियम जोन्स, हेनरी थॉमस कोलब्रुक तथा नेथैनियल होल्हेड ने |

Q6: 19 वीं सदी के शुरुआत में ही बहुत सारे अंग्रेज ऑफिसर शिक्षा के प्राच्यवादी दृष्टिकोण की आलोचना क्यों करने लगे थे ?

उत्तर: उनका कहना था कि पूर्वी समाजों का ज्ञान त्रुटियों से भरा हुआ और अवैज्ञानिक है उनके मुताबिक पूर्वी साहित्य अगंभीर और सतही था | इसलिए उन्होंने दलील दी कि अंग्रेजों को अरबी और संस्कृत भाषा साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा देने पर इतना खर्चा नहीं करना चाहिए |